टी. रूक्मिणी

अकादेमी पुरस्कार : कर्नाटक वाद्य संगीत (वायलिन)

1936 में शिमोगा, कर्नाटक में जन्मीं श्रीमती तिरूवेंगडम रूक्मिणी ने कर्नाटक संगीत की शिखा श्री आर.आर. केशवमूर्ति और श्री लालगुडी जी. जयरामन से प्राप्त की। आपने गायन की दीक्षा श्री सेमनगुड़ी श्रीनिवास अय्यर से भी ग्रहण की।

श्रीमती टी. रूक्मिणी ने अनेक कर्नाटक संगीतकारों के साथ वॉयलिन पर संगत की है, जिनमें श्रीमती एम.एल. वसन्त कुमारी, श्री डी.के. जयरामन और श्री एन. रमणी सम्मिलित हैं। आप गायन में भी निष्णात हैं और अनेक मौलिक संगीत रचनाओं की सर्जक हैं।

अन्य सम्मानों के अतिरिक्त, आपको 1992 में तमिलनाडु इयाल इलाई नाटक मनरम द्वारा कलाइमामणि उपाधि प्रदान की गई।

श्रीमती टी. रूक्मिणी को कर्नाटक वाद्य संगीत में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

T. RUKMINI

Akademi Award: Carnatic Instrumental Music (Violin)

Born in 1936 in Shimoga, Karnataka, Shrimati Tiruvengadam Rukmini was trained in Carnatic music by Shri R.R. Keshavamorthy and Shri Lalgudi G. Jayaraman. She has also received training in vocal music under Shri Semmangudi Srinivasa Iyer.

Shrimati T. Rukmini has performed extensively as an accompanist on the violin to many leading Carnatic musicians including Shrimati M.L. Vasanthakumari, D.K. Pattamal, and N. Ramani. She is also an accomplished vocalist, and the creator of a number of original compositions.

Among other honours, she received the title Kalaimamani from the Tamil Nadu Eyal Isai Nataka Manram in 1992.

Shrimati T. Rukmini receives the Sangeet Natak Akademi Award for her contribution to Carnatic instrumental music.